1. दो संख्याओ का गुणनफल = HCF × LCM

2. द्विघात बहुपद ज्ञात करने का सूत्र = -(शुन्यांको का योग)x + (शुन्यांको का गुणा )

3. भाज्य = भाजक × भागफल + शेषफल

4. x+ + = 0 और x+ + = 0 के हल यदि

 तो हल अनंत , रेखा सम्पाती

 तो हल कोई नही , रेखा समांतर

 तो एक हल या अद्वितीय हल , रेखाए प्रतिच्छेदी

5. a के मूल या हल ज्ञात करना :- x =

6. AP का n वा पद ज्ञात करने का सूत्र :- a + (n - 1) d

7. AP के n पदों का योग ज्ञात करने का सूत्र :- [2a + (n -1 )d ]

जब AP का प्रथम पद व अंतिम पद दिया हो तो [a + L ]

8. समरूप त्रिभुजो के क्षेत्रफलो का अनुपात = त्रिभुज की संगत भुजाओ के वर्गो का अनुपात

9.

10. दो बिन्दूओ()और () के बिच की दूरी =

11. दो बिन्दूओ ()और () को मिलाने वाले रेखा खंड को में विभाजित करने वाले बिन्दु के निर्देशांक ( , )

12. मूल बिन्दु से किसी बिन्दु() की दूरी =

13 . किसी बिन्दु की x अक्ष से दूरी = दिए गये बिन्दु का y निर्देशांक चिह्न छोड़ते हुए

बिन्दु की y अक्ष से दूरी = दिए गये बिन्दु का x निर्देशांक चिह्न छोड़ते हुए

14 . त्रिभुज के शीर्ष दिए हो तो क्षेत्रफल =

यदि तीनो बिन्दु सरेख दिए हो और K का मान ज्ञात करना हो तो :-

 = 0

1. दो संख्याओ का गुणनफल = HCF × LCM

2. द्विघात बहुपद ज्ञात करने का सूत्र = -(शुन्यांको का योग)x + (शुन्यांको का गुणा )

3. भाज्य = भाजक × भागफल + शेषफल

4. x+ + = 0 और x+ + = 0 के हल यदि

 तो हल अनंत , रेखा सम्पाती

 तो हल कोई नही , रेखा समांतर

 तो एक हल या अद्वितीय हल , रेखाए प्रतिच्छेदी

5. a के मूल या हल ज्ञात करना :- x =

6. AP का n वा पद ज्ञात करने का सूत्र :- a + (n - 1) d

7. AP के n पदों का योग ज्ञात करने का सूत्र :- [2a + (n -1 )d ]

जब AP का प्रथम पद व अंतिम पद दिया हो तो [a + L ]

8. समरूप त्रिभुजो के क्षेत्रफलो का अनुपात = त्रिभुज की संगत भुजाओ के वर्गो का अनुपात

9.

10. दो बिन्दूओ()और () के बिच की दूरी =

11. दो बिन्दूओ ()और () को मिलाने वाले रेखा खंड को में विभाजित करने वाले बिन्दु के निर्देशांक ( , )

12. मूल बिन्दु से किसी बिन्दु() की दूरी =

13 . किसी बिन्दु की x अक्ष से दूरी = दिए गये बिन्दु का y निर्देशांक चिह्न छोड़ते हुए

बिन्दु की y अक्ष से दूरी = दिए गये बिन्दु का x निर्देशांक चिह्न छोड़ते हुए

14 . त्रिभुज के शीर्ष दिए हो तो क्षेत्रफल =

यदि तीनो बिन्दु सरेख दिए हो और K का मान ज्ञात करना हो तो :-

 = 0

15 . ; = ; =;

16 . tan30°=, tan60°= , tan45°= 1

17. =

18. लघु त्रिज्य खंड का क्षेत्रफल = ; चाप की लम्बाई = ; लघु वृत्त खंड का क्षेत्रफल = ; दीर्घ वृत्तखंड का क्षेत्रफल =- लघु वृत्तखंड का क्षेत्रफल

19. गोले का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल = 4 ; अर्द्धगोले का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल = 3 ; अर्द्धगोले का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल =

20. गोले का आयतन = ; अर्द्धगोले का आयतन = ; बेलन का आयतन =h ; शंकु का आयतन =h

बेलन का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल =2 ; बेलन का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल =2+r) ; शंकु का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल =

शंकु का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल = ) जहाँ l(तिर्यक ऊंचाई ) = ; घन का पृष्ठीय क्षेत्रफल = 6 ;

घन का आयतन = ; घनाभ का पृष्ठीय क्षेत्रफल = 2(ल.×चौ.+ चौ.×ऊँ+ ऊँ×ल.) ; घनाभ का आयतन = ल. ×चौ. ×ऊँ

21. माध्य की प्रत्यक्ष विधि सूत्र = ; कल्पित माध्य विधि = a + ; पग विचलन विधि = a +

मध्यिका या माध्यक = L + ×h ; बहुलक = L + ()×h

22. प्रायिकता = ; P(E)+ P(E’)=1 घटना के नही घटने की प्रायिकता = 1- घटना के घटने की प्रायिकता

15 . ; = ; =;

16 . tan30°=, tan60°= , tan45°= 1

17. =

18. लघु त्रिज्य खंड का क्षेत्रफल = ; चाप की लम्बाई = ; लघु वृत्त खंड का क्षेत्रफल = ; दीर्घ वृत्तखंड का क्षेत्रफल =- लघु वृत्तखंड का क्षेत्रफल

19. गोले का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल = 4 ; अर्द्धगोले का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल = 3 ; अर्द्धगोले का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल =

20. गोले का आयतन = ; अर्द्धगोले का आयतन = ; बेलन का आयतन =h ; शंकु का आयतन =h

बेलन का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल =2 ; बेलन का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल =2+r ) ; शंकु का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल =

शंकु का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल = ) जहाँ l(तिर्यक ऊंचाई ) = ; घन का पृष्ठीय क्षेत्रफल = 6 ;

घन का आयतन = ; घनाभ का पृष्ठीय क्षेत्रफल = 2(ल. × चौ.+ चौ. ×ऊँ + ऊँ ×ल. ) ; घनाभ का आयतन = ल. ×चौ. ×ऊँ

21. माध्य की प्रत्यक्ष विधि सूत्र = ; कल्पित माध्य विधि = a + ; पग विचलन विधि = a +

मध्यिका या माध्यक = L + ×h ; बहुलक = L + ()×h

22. प्रायिकता = ; P(E)+ P(E’)=1 घटना के नही घटने की प्रायिकता = 1- घटना के घटने की प्रायिकता